जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 169
दिनांक 14.10.2019

किसानों को उपज का सही मूल्य मिलना बहुत जरूरी– महापौर
जने कृषि विवि में तीन दिनी राष्ट्रीय किसान मेला शुरू

जबलपुर, 14 अक्टूबर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित जवाहर क्रीड़ांगन में कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के निर्देशन में आयोजित आज तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान मेला कृषि उदय 2019 का उद्घाटन करते हुये महापौर श्रीमती स्वाति सदानंद गोडबोले ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि किसान को उपज का सही मूल्य मिलना बहुत जरूरी है साथ ही युवाओं को खेती से जोडकर आधुनिक कृषि तकनीक के व्यापक प्रचार प्रसार एवं किसान को व्यवसाय तंत्र से जोड़ना कृषि, कृषक और देश हित में होगा। उन्होनें आगे कहा कि जिस प्रकार सरहद पर सैनिक देश की रक्षा करता है और हम चैन की नींद सोते है इसी प्रकार किसान अपनी मेहनत से पूरे देश का पेट भरने वाला अन्नदाता है। ये भारतीय समाज के लिये अत्यन्त ही सम्मान के प्रतीक हैं।

समारोह की विशिष्ट अतिथि श्रीमती मनोरमा पटेल, अध्यक्ष जिला पंचायत, जबलपुर ने कहा कि आधुनिक तकनीक से ओतप्रोत यह अद्भुद किसान मेला प्रेरणादायी है। प्रदेश भर में ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए ताकि कृषि तकनीक गांव–गांव किसान तक पहुचे और उत्पादन में वृद्धि हो। समारोह के अध्यक्ष संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. पी.के. मिश्रा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि अगर खेती में बदलाव नहीं आया तो खेती करने वाले लोग कम रह जायेंगे इसलिये खेती को लाभ का धंधा बनाना बहुत जरूरी है। किसान मेले के संयोजक व संचालक विस्तार सेवायें डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने स्वागत भाषण में कहा कि एक समय था जब हम विदेशों से हल्का अन्न आयात करते थे किंतु वैज्ञानिक तकनीक, कृषकों का श्रम और कल्याणकारी योजनाओं के समन्वय से आज खाद्यान में हम न केवल आत्मनिर्भर हैं वरन् आज हम विश्व के बड़े निर्यातक देश के रूप में जाने जाते हैं। तकनीक की बदौलत आज हम एक एकड़ में 50 क्विंटल उत्पादन तक पहुंच चुके हैं। इस मौके पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, रजिस्टार श्री अशोक कुमार इंगले एवं संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान आदि मंचासीन थे। पूर्व में पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा से सज्जित डिंडोरी जिले के आदिवासी सैलाडंडा नृत्यदल ने नृत्य की मोहक प्रस्तुति से उपस्थितों को भावविभोर कर दिया।

मेले में बड़ी संख्या में कृषक महिला पुरूष कृषि वैज्ञानिक और छात्रगण शामिल थे। मेले में शासकीय एवं राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की गैर शासकीय कम्पनियां ने स्टाल लगाकर जहां अपने उत्पाद, तकनीक एवं आधुनिक कृषि यंत्रों एवं मशीनों को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित किया, वहीं कृषि वैज्ञानिकों ने संगोष्ठी में सवाल एवं समस्याओं का निराकरण

क्रमश : 2 :

किया। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सफल किसानों को नगद पुरूस्कार भी दिये गये। **इस मायनों में खास रहा मेला–** प्रदेश में स्थित जनेकृविवि के 22 कृषि विज्ञान केन्द्रों और विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाये गये स्टाल में मशरूम के पापड़, अचार, हेल्थ टॉनिक, मिश्रित मछली पालन, उद्यान शास्त्र, प्रजनक बीज, गुलाबी आयस्टर मशरूम, आदिवासी एकता स्वसहायता समूह की प्राकृतिक जड़ी–बूटियां, जैविक कद्दू, यकेलिप्टस के वृक्ष पत्तों एवं गाय के गोबर से बने उप्पले, सुगंधित अगरबती, धूप, मंडला जिले की कुटेला, चचेड़ा, तुम्बा लौकी, देशी सेमी, अलसी के लड्डू, जैविक खाद, अंगीठा, रतालू सब्जी, जंगली भिंडी, जैविक सूरन, भटा, लौकी, ककडी, तुलई, गिलकी, शाहीवाल गाय का देशी घी, सरसों का तेल, शहद, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक कीटनाशक, जीवामृत खाद एवं विभिन्न फसलों की नर्सरी आदि का प्रदर्शन किया गया था। कृषि विज्ञान केन्द्र पन्ना द्वारा प्रदर्शित एक मीटर से भी लम्बी लौकी देखकर लोग हैरत में आ गये। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दिनकर शर्मा ने किया।

द्वितीय चरण में आयोजित कृषक वैज्ञानिक संगोष्ठी में– जलवायु परिवर्तन का फसलों पर प्रभाव, फसलों में खरपतवार प्रबंधन, विभिन्न फसलों की प्रजातियों का आवश्यकता एवं मौसम के अनुरूप चयन, औषधीय एवं सगंध फसलें, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैविक खेती की आवश्यकता एवं भविष्य, आधुनिक खेती में रसायनों के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति किसानों की जागरूकता, जैव उर्वरक एवं जीवांश खाद, केंचुआ खाद एवं उत्पादन एवं फसलों में उपयोग तथा जैविक खेती में समेकित कीट व्याधि प्रबंधन आदि पर विस्तृत चर्चा एवं जानकारी किसानों को दी गई। आज 15 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक कृषक संगोष्ठी आयोजित है। 16 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे सामजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री लखन घनघोरिया के मुख्य अतिथ्य तीन दिवसीय किसन मेले का समापान समारोह होगा। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन अध्यक्षता करेंगे। विधायकगण श्री संजय यादव, श्री विनय सक्सेना, श्री अजय विशनोई, श्री सुशील तिवारी, श्री अशोक रोहाणी, श्रीमति नन्दनी मरावी एवं वेटनरी कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल विशिष्ट अतिथि होंगे।

–000–